

बड़े भी लगवाएं वैक्सीन

कई बीमारियों से लड़ने में वैक्सीनेशन से मिलती है मदद

■ प्रियंका सिंह

वैक्सीन लगवाने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। ऐसी बहुत-सी बीमारियां हैं, बच्चों में जिनकी वैक्सीन लगवाना हमारे नेशनल प्रोग्राम में हैं। ये वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में फ्री भी लगवाए जाते हैं। ऐसी बीमारियां हैं : हेपटाइटिस बी, डिप्थीरिया, काली खांसी, पोलियो, मीजल्स, मम्स, टिटनस, रुबैला (जर्मन मीजल्स)

फोर्टिस सीडॉक में अडिशनल डायरेक्टर डॉ. रीतेश गुप्ता के मुताबिक कुछ और भी वैक्सीन हैं, जो हमारे नेशनल प्रोग्राम में नहीं हैं, लेकिन इन्हें लगवाना चाहिए। ऐसी बीमारियां हैं : चिकनपॉक्स, हेपटाइटिस ए, हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी, सर्वाइकल कैंसर, इन्फ्लुएंजा, जापानी बुखार, मेनिंग्जाइटिस, निमोनिया, कॉलरा, डायरिया, रुबैला, टीबी व टायफॉयड।

बच्चों के लिए जरूरी

हेपटाइटिस बी
डिप्थीरिया
काली खांसी
पोलियो
मीजल्स
मम्स
टिटनस
रुबैला

बड़े भी लगवाएं

निमोकोकस निमोनिया
इन्फ्लुएंजा
चिकनपॉक्स
टायफॉयड
टिटनस
हेपटाइटिस ए
हेपटाइटिस बी



वर्ल्ड वैक्सीनेशन वीक (24 से 30 अप्रैल तक) पर खास

डॉ. गुप्ता के मुताबिक बड़ों को भी निमोकोकस निमोनिया, इन्फ्लुएंजा, चिकनपॉक्स, टायफॉयड टिटनस, हेपटाइटिस ए और हेपटाइटिस बी का वैक्सीन लगवाना चाहिए। जापानी बुखार उन इलाके के लोगों को लगवाना चाहिए, जहां यह बीमारी ज्यादा होती हो, जैसे कि बिहार, ईस्टर्न यूपी आदि।

मेनिंग्जाइटिस का वैक्सीन भी उस वक्त लगाने की सलाह दी जाती है, जब यह बीमारी फैली हो। खासकर ग्रुप जैसे कि हॉस्टल, मिलिट्री प्लाटून आदि में इसे लगवाने की सलाह दी जाती है। टायफॉयड की वैक्सीन 3-4 साल में लगती है, उसे भी समय पर लगवा लेना चाहिए। इसके अलावा इन्फ्लुएंजा की वैक्सीन लगवानी चाहिए, खासकर उन लोगों को, जिन्हें इन्फेक्शन के चांस ज्यादा हों, जैसे कि शुगर या लंग्स की समस्या वालों को, 60 साल की उम्र के लोगों को। यह वैक्सीन हर साल लगवाई जाती है।